03/01/25 — पत्रावली पेश हुई। राजपेरोकार उपस्थित नहीं। प्रार्थी स्वयं भी उपस्थित नहीं। बार - बार आवाज लगवाई गई। इन की अनुपस्थिति बाबत कोई कारण भी पेश नहीं हुआ।

अतः यह प्रार्थना - पत्र भी इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली निर्णय में शुमार की जावे तथा तरतीब तकमील की जाकर दाखिल दफ्तर की जावे।

Rajendra